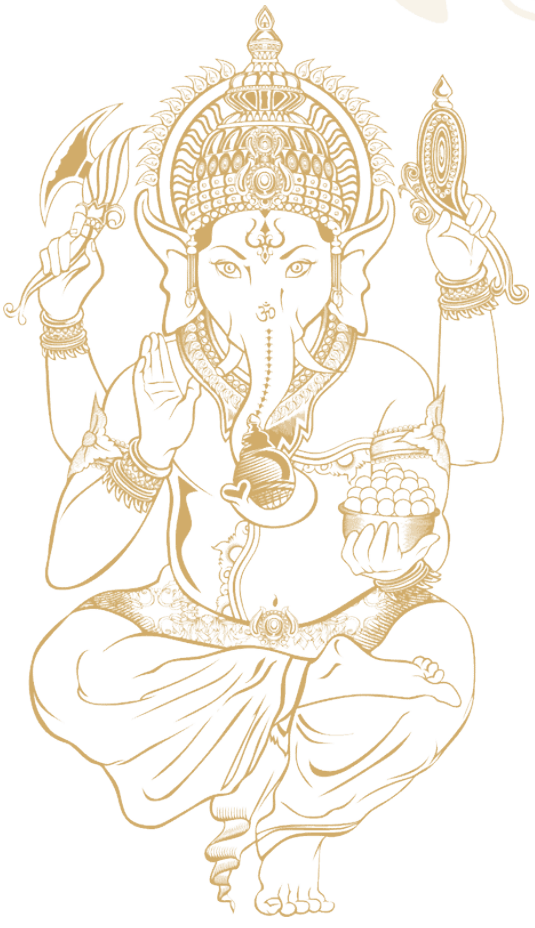

Abhishek Tiwari

Shivali Tripathi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120674602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/09/1995	जन्म तिथि	23-24/06/1996
सोम-मंगलवार	दिन	रवि-सोमवार
घंटे 04:28:00	जन्म समय	04:40:00 घंटे
घटी 55:21:14	जन्म समय(घटी)	56:48:16 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Fatehpur
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	25:56:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	80:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:06:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:30	सूर्योदय	05:15:53
18:47:36	सूर्यास्त	19:01:11
23:47:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 6वर्ष 3मा 1दि	21:45:20	कर्क	लग्न	वृष	29:39:23	सूर्य 1वर्ष 9मा 25दि
राहु	18:08:13	सिंह	सूर्य	मिथु	08:55:30	राहु
06/12/2024	22:29:51	धनु	चंद्र	कन्या	05:57:20	20/04/2015
06/12/2042	04:39:45	तुला	मंगल	वृष	14:15:20	19/04/2033
राहु 19/08/2027	14:40:51	कन्या	बुध	वृष	20:29:43	राहु 31/12/2017
गुरु 11/01/2030	13:22:14	वृश्चि	गुरु व	धनु	20:17:09	गुरु 25/05/2020
शनि 17/11/2032	22:13:40	सिंह	शुक्र व	वृष	19:20:08	शनि 01/04/2023
बुध 07/06/2035	28:16:45	कुंभ व	शनि	मीन	13:04:14	बुध 19/10/2025
केतु 24/06/2036	03:41:51	तुला व	राहु व	कन्या	19:40:55	केतु 06/11/2026
शुक्र 25/06/2039	03:41:51	मेष व	केतु व	मीन	19:40:55	शुक्र 06/11/2029
सूर्य 19/05/2040	03:07:37	मक व	हर्ष व	मक	09:58:05	सूर्य 01/10/2030
चन्द्र 18/11/2041	29:12:58	धनु व	नेप व	मक	03:12:02	चन्द्र 01/04/2032
मंगल 06/12/2042	04:13:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	07:05:53	मंगल 19/04/2033

लग्न-चलित

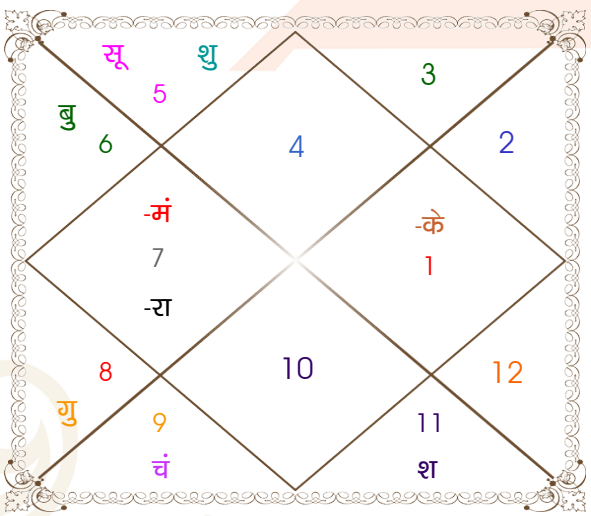

लग्न-चलित

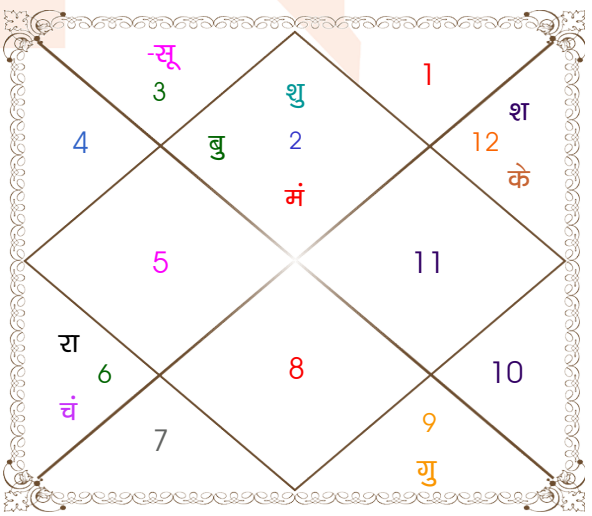

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.50		

।ईपीमा ज्यूंतप का वर्ग मूषक है तथा ौपअंसप ज्तपचंजीप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।ईपीमा ज्यूंतप और ौपअंसप ज्तपचंजीप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।ईपीमा ज्यूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ।ईपीमा ज्यूंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौपअंसप ज्तपचंजीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ौपअंसप ज्तपचंजीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।इीपेीमा ज्पूंतप तथाौपअंसप ज्तपचंजीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।